हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 15 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार,23 सितंबर से 29 सितंबर 2022

एकनाथ शिंदे गुट पर खूब बरसे आदित्य ठाकरे, गद्दारों के सवालों के जवाब नहीं दूंगा; वे बताएं धोखा क्यों दिया

मुंबईः एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के चलते महाराष्ट्र की सत्ता से बेदखल हुआ ठाकरे परिवार अब बेहद सक्रिय हो गया है, शिवसेना को बचाने के लिए आदित्य ठाकरे ह्यशिव संवाद यात्रा निकाल रहे हैं. आदित्य की यह यात्रा शुक्रवार को नासिक जिले के मनमाड पहुंची, जहां उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना के बागियों पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि शिवसेना से गद्दारी करने वाले हमसे सवाल पूछने की बातें कर रहे हैं, लेकिन क्या वे सवाल पूछने लायक हैं. गद्दारों को तो खुद यह बताना चाहिए कि उन्होंने पीठ में खंजर भोंकने का काम क्यों किया बालासाहेब की विरासत को धोखा क्यों दिया? आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि अगर वे देशद्रोही नहीं होते, तो मैं उनके आरोपों और सवालों का जवाब जरूर देता. बता दें कि नासिक से एकनाथ शिंदे गुट के विधायक सुहास कांडे ने आज ही ऐलान किया था कि वह आदित्य ठाकरे से सवाल पूछने जा रहे हैं,

ऐसे में आदित्य ठाकरे के बयान को कांड के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है. इस मौके पर आदित्य ठाकरे ने बागी विधायकों को एक बार फिर देशद्रोही कहा. उन्होंने सवाल दागते हुए कहा कि एक अच्छे मुख्यमंत्री, एक अच्छे आदमी के साथ जो किया गया, क्या वह सही था, क्या वह न्यायोचित था. उन्हें बताना चाहिए कि क्या इस तरह से विश्वासघात करना चाहिए या पीठ में खंजर घोंपना चाहिए. आदित्य ठाकरे ने कहा कि उन गद्दारों को यह बताना चाहिए जिस शख्स ने उनका परिचय कराया, मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया, टिकट दिया, और उनके लिए प्रचार किया, उन्होंने आखिर उसकी पीठ में छुरा क्यों मारा? उन्होंने कहा कि उद्धव ने बीते ढाई साल तक जमकर किया और लोगों को अपना पल-पल समर्पित कर दिया. 24 घंटे लोगों की सेवा की, उन्होंने ढाई साल का एक-एक पल जनसेवा के नाम कर दिया. आदित्य ठाकरे कहते हैं, कभी-कभी मैं अपनी मां के पास जाता था और इस बारे में बहस भी करता था. मैं उन्हें बहुत सी बातें बताना चाहता था.

मुझे खत्म न कर पाए थे और न पाएंगे... देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को ललकारा

मुंबईः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा और कहा कि वह कभी भी उन्हें खत्म नहीं कर पाएंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से उन्होंने कहा, आपने कांग्रेस और एनसीपी के साथ अपनी पूरी कोशिश की लेकिन आप मुझे खत्म नहीं कर सके और बाद में नहीं कर पाएंगे। तंज करते हुए फडणवीस ने 2019 में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन का भी जिक्र किया। कहा, 2019 के चुनावों में, आप (सत्ता में) पीएम मोदी की फोटो दिखाकर आए, बीजेपी को पीठ में छुरा घोंपा और फिर कांग्रेस और एनसीपी के साथ चले गए। फडणवीस ने कहा, आपके विरोधी चाहे कितना भी बुरा क्यों न चाहें। नियति में जो लिखा होगा वही होगा। बुधवार को उद्धव ठाकरे के दिए भाषण पर आज अपना जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा, ह्लजब वह नए सिरे से चुनाव की मांग करते हैं तो मानिए यह उनकी हताशा बोल रही है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने पीएम मोदी की तस्वीर दिखाकर जीत हासिल की और फिर सरकार बनाने के लिए एनसीपी और कांग्रेस के साथ चले गए। अगर ऐसा ही था तो उन्होंने फिर चुनाव क्यों नहीं लड़ा? आप सीधे सरकार बनाने के लिए क्यों गए? एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद राज्य में उद्धव ठाकरे सरकार को गिराने के बाद वेदांत-फॉक्सकॉन सौदे ने एक बार फिर महाराष्ट्र में राजनीतिक खींचतान तेज कर दी है। करोड़ों रुपये का यह सौदा गुजरात ले गया, हालांकि पुणे में ब्रांच स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार से बात चल रही है। इससे पहले बुधवार को, उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष किया और कहा, सीएम एकनाथ शिंदे आज फिर दिल्ली में मुजरा करने गए हैं ... महाराष्ट्र की परियोजनाएं दूसरे राज्यों में क्यों जाती हैं? वह क्यों नहीं बोलते हैं इस बारे में प्रधानमंत्री जी से? क्या उनमें इस पर बोलने की हिम्मत नहीं है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देते हुए उद्धव ने कहा, मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राज्य विधानसभा चुनावों के साथ बीएमसी चुनाव कराने की चुनौती देता हूं, हम शिवसेना की ताकत दिखाएंगे। पहले भी कई निजाम और शाह ने मुंबई पर कब्जा करने की कोशिश की लेकिन असफल रहे।

बीएमसी चुनाव को लेकर उद्धव ठाकरे ने भरी हुंकार, कहा- सरकार कोई भी हथकंडा अपना ले हरा नहीं

मुंबईः बृहनमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर मुंबई को बेचने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जो चाहें हथकंडा अपना लें, लेकिन वह इस स्थानीय निकाय में सत्तारूढ़ उनकी पार्टी को किसी कीमत पर हरा नहीं पाएंगे।बुधवार को गोरेगांव में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और शिवसेना के बागियों से अगले एक महीने में बीएमसी और विधानसभा चुनाव कराने को कहा ताकि यह पता चल सके कि शहर के मतदाता किसे पसंद करते हैं। बता दें कि इस महीने की शुरूआत में अमित शाह ने मुंबई नगर निगम चुनाव का बिगुल बजाते हुए कहा था कि अब उद्धव को उनकी जगह दिखाने का समय आ गया है। उन्हें हार के रूप में गहरा घाव देने की जरूरत है।

उद्धव ने भाजपा पर समुदाय और धर्म के आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया। उद्धव ने कहा कि लेकिन यहां उनकी यह कोशिश नाकाम रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी समुदाय और धर्म के लोग, विशेष रूप से मुसलमान हमारे साथ हैं। ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा गिद्धों की तरह व्यवहार करती है। ये गिद्ध शहर में घूम रहे हैं। वे शहर को निगलना चाहते हैं। यह नई बात नहीं है, यह वर्षों से हो रहा है। हमें सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र के साथ रखने के लिए कई शहीदों ने अपनी जान दी है।ठाकरे ने कहा कि कई शाहों ने इस देश पर हमला किया है। उसी परिवार में से एक ने अपनी पार्टी के कार्यकताओं को शिवसेना के खिलाफ मैदान में उतरने को कहा है। लेकिन वह नहीं जानते कि यहां की घास भी तलवार की तरह है। यदि तुम हमारे पास चलते हुए आओगे तो हम तुम्हें आकाश में भेज देंगे। ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही गुट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा लेकिन उन्होंने इस गुट का 'मिधे समूह' (परजीवी) के रूप में उल्लेख किया।

उमेश कोल्हे हत्याकांड में एनआइए ने फरार आरोपित को कोर्ट परिसर से किया गिरफ्तार

मुंबईः एनआइए ने दवा विक्रेता उमेश कोल्हे की हत्या मामले में एक फरार आरोपित को मुंबई की एक अदालत के परिसर से बुधवार को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में अब तक 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपित के वकील ने दावा किया था कि वह विशेष न्यायाधीश के समक्ष आत्मसमर्पण करने आया था।मामले की जांच कर रही एनआइए ने आरोपित साहिम अहमद फिरोज अहमद की किसी भी सूचना के लिए हाल ही में दो लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी। एनआइए ने अहमद की गिरफ्तारी की पुष्टि की और कहा कि वह कोल्हे की हत्या के षड्यंत्र में शामिल था। पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती शहर का निवासी अहमद तीन महीने पहले मुकदमा दर्ज होने के बाद से फरार था। कोल्हे की 21 जून को महाराष्ट्र के अमरावती शहर में हत्या कर दी गई थी। मामले की शुरूआत में अमरावती पुलिस ने जांच की और बाद में एनआइए को सौंपा गया।

ठाणे में भाई की मौत का बदला लेने के लिए शख्स ने दोस्त के साथ रची साजिश,

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो लोगों ने मिलकर एक 20 साल के शख्स की हत्या कर दी, जिसका मकसद इन दोनों में से किसी एक के रिश्तेदार की हत्या का बदला लेना था। पुलिस ने यह जानकारी दी। कलवा के सहायक पुलिस आयुक्त विलास शिंदे ने मंगलवार संवाददाताओं को बताया, मृत मोहम्मद इत्तेहाद मोहम्मद अब्दुल वाहिद के शव की बरामदगी मुंब्रा शहर के कौसा इलाके से हुई।उसके गले में रेतने और दोनों पैरों में चोट के निशान थे। पीड़ित पश्चिम बंगाल के मालदा का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मिली जानकारी के आधार पर मंगलवार को मुंबई के पास बांद्रा से सानिफ असु साही की गिरफ्तारी की गई। पूछताछ के दौरान मालदा से ही ताल्लुक रखने वाले शाही ने बताया कि उसने अपने दोस्त जाकिर शेख के साथ मिलकर वाहिद की हत्या की है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि वाहिद और उसके दोस्तों ने ही मिलकर तीन साल पहले उसके छोटे भाई की हत्या की थी। अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए शाही ने जाकिर के साथ मिलकर 18 सितंबर को कथित रूप से वाहिद को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बताया, शाही के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है.

छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो बनाने के मामले में छात्रों से चर्चा, बनाई जा रही रणनीति

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बाम्बे के एक 22 वर्षीय कैंटीन कर्मचारी को रविवार रात लड़कियों के छात्रावास के बाथरूम में कथित रूप से झांकने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद आईआईटी बाम्बे के अधिकारियों ने कहा कि वे वर्तमान में छात्रों के साथ चर्चा कर रहे हैं और योजना बना रहे हैं कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और क्या अतिरिक्त कदम उठाया जा सकता है।हालांकि, छात्रों को लगता है कि इस तरह की घटनाएं फिर से होने का खतरा हमेशा बना रहेगा, जब तक कि इन टायलेट के बुनियादी ढांचे की मरम्मत नहीं की जाती और गैप को स्थायी रूप से नहीं भर दिया जाता।

नाम न छापने की शर्त पर एक छात्र ने बताया, 'जिस तरह से स्थिति को संभाला गया, संस्थान के अधिकारियों और पुलिस दोनों की त्वरित प्रतिक्रिया की हम सराहना करते हैं। हालांकि, इस घटना ने हमारे मन में डर पैदा कर दिया है और हम दृढ़ता से महसूस करते हैं कि जब तक बुनियादी ढांचे जैसे बाथरूम आदि की ठीक से मरम्मत नहीं की जाती, तब तक यह जोखिम भरा रहेगा।' ऐसा ही एक मुद्दा IIT बाम्बे के आधिकारिक छात्र मीडिया निकाय IIT बाम्बे इनसाइट में उठाया गया है। संस्थान ने मंगलवार को अपने आधिकारिक बयान में घटना की पुष्टि की और कहाः 'कैंटीन को तुरंत बंद कर दिया गया है और केवल तभी फिर से खुलेगा, जब विशेष रूप से महिलाओं द्वारा स्टाफ किया जाएगा। नलिकाओं में अंतराल, जो संदिग्धों द्वारा इस्तेमाल किया गया हो सकता है, बंद कर दिया गया है।'इनसाइट में पोस्ट की गई प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार - ब्लाग में इन-हाउस पत्रिका में कहा गया है कि हास्टल 10 के कैंटीन कर्मचारियों को मुंबई पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए ले जाया गया था, जिसमें से एक ने गुप्त रूप से एक हास्टल निवासी का वीडियो रिकार्ड करने का प्रयास किया था, जब वह बाथरूम में थी। डीन सुडेंट्स अफेयर्स (एसए) सहित त्वरित प्रतिक्रिया टीम को भी छात्रावास में बुलाया गया और एक कैंटीन कर्मचारी के फोन पर जल्दबाजी में 3 सेकंड की क्लिप मिली। वीडियो उसी समय के आसपास लिया गया था जब घटना हुई थी, जिसके कारण यह संदेह था कि वीडियो रिकार्डिंग करने का एक प्रयास हो सकता है।'

बाद में उसी लेख में एक स्पष्टीकरण दिया गया, जिसमें लिखा थाः 'हम स्पष्ट करना चाहेंगे कि जो वीडियो सबूत मिले, उसमें कोई व्यक्ति नहीं था। कैंटीन कर्मचारी के फोन पर जल्दबाजी में शूट की गई 3 सेकंड की क्लिप मिली, यह उसी समय लिया गया था जब घटना हुई थी।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

कनाडा में जनमत संग्रह की हकीकत

अभी 18 सितंबर को कनाडा के टोरंटो शहर में खालिस्तान की मांग को लेकर एक जनमत संग्रह हुआ। बरमटन नाम के एक पंजाबी व सिख बहुल उप-नगर में हुए इस इवेंट (जनमत संग्रह) में कहने को तो एक लाख से ज्यादा सिखों ने हिस्सा लिया, लेकिन अधिकतर सिख खालिस्तान के विरोध में हैं। फिर भी खालिस्तान समर्थकों ने अपने आक्रामक प्रचार से ऐसा माहौल बना दिया है, मानो सभी सिखों को अलग देश चाहिए। इसके लिए वे 19वीं सदी के महान शासक महाराजा रणजीत सिंह का उदाहरण देते हैं, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के राज्य में आज के पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन व भारत के कई हिस्से शामिल थे। क्या वे दावा करेंगे कि उन्हें तिब्बत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के वे क्षेत्र भी सौंपे जाएं? इसके उलट वे भारत के हिस्से वाला पूरा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के तराई वाले हिस्से और राजस्थान के गंगानगर व भरतपुर जिले की मांग कर रहे हैं। यह मांग ही स्पष्ट कर देती है कि कनाडा, अमेरिका और यूरोप में बसे इन अलगाववादियों की मंशा क्या है और किनके इशारे पर ये लोग चल रहे हैं? कोई आज से नहीं, बल्कि पिछले साढे.चार दशक से कनाडा के कुछ सिखों के दिमाग में यह कल्पना बसी हुई है। 1979 में जगजीत सिंह चौहान ने भारत से लंदन जाकर खालिस्तान का प्रस्ताव रखा था, मगर इसके पीछे किस समाज या समुदाय के कल्याण की उसकी कामना है, यह कभी स्पष्ट नहीं कर पाया। कोई भी देश तब तक रूप नहीं ले पाएगा, जब तक उसका अपना भूगोल, इतिहास, भाषा और संस्कृति नहीं हो। इस खालिस्तान के लिए जिन महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का नक्शा दिया गया, उनका एक राज था और उसके पीछे न कोई सिखी का प्रारूप था, न ईरान-तूरान का नक्शा। वह हकीकत में एक राज्य था और उसके शासक महाराजा रणजीत सिंह में लोक-कल्याण की भावना थी। उन्होंने जितना सोना अमृतसर के स्वर्ण मंदिर को दिया, उतना ही सोना बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर को भी। भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व अधिकारी जीबीएस सिद्धू कहते हैं, महाराजा रणजीत सिंह ने अपनी वसीयत में यह निर्देश दिया था कि उनकी मृत्यु के बाद कोहिनूर हीरा पुरी के जगन्नाथ मंदिर को दे दिया जाए।

लगातार जंग से कमाता अमेरिका

इस साल मार्च में इसने ऐसी ही एक रिपोर्ट जारी की, जिसका शीर्षक था- ह्यइन्सटेंसेज ऑफ यूज ऑफ यूनाइटेड स्टेट आर्म्ड फोर्सेस अब्रोड, 1798-2022ह्ल, यानी विदेशी सरजमीं पर 1798 से 2022 के बीच अमेरिकी सैन्य बलों के उपयोग के उदाहरण। इसमें अमेरिकी फौज द्वारा किए गए उन 469 सैन्य अभियानों का जिक्र है, जिसे कांग्रेस ने स्वीकार किया है। अमेरिका ने साल 1991 के बाद से, जब सोवियत संघ का पतन और शीत युद्ध का आधिकारिक अंत हुआ था, कम से कम 251 सैन्य अभियान किए हैं। हालांकि, यह भी पूरा सच नहीं है। इस सूची में उन ह्यखुफिया कार्रवाइयों या घटनाओं का जिक्र नहीं है, जिनमें अमेरिकी फौज दुश्मन सेना द्वारा कब्जाए गए क्षेत्र को फिर से हथियाने या पारस्परिक सुरक्षा संगठनों, समझौतों, नियमित सैन्य सहायता या प्रशिक्षण के कामों में हिस्सा लेने के लिए विदेश गईह्ल। इसमें उन अभियानों की भी चर्चा नहीं है, जिनमें ह्यअमेरिकी सैन्य टुकड़ियों का इस्तेमाल देश के पश्चिमी हिस्से में शांति-स्थापना, विवाद निपटारे और बंदोबस्त के कामों में किया गयाह्ल। जाहिर है, इससे यही लगता है कि पिछले 200 वर्षों से अमेरिका कमोबेश हर दिन कहीं न कहीं युद्ध लड़ता रहा है। मगर अमेरिकी सरकार ने दोनों विश्व युद्ध सहित औपचारिक रूप से महज 11 बार जंग की घोषणा की है। यह भी दिलचस्प है कि साम्यवाद से मुक्त ह्यएक नई विश्व व्यवस्था बनाने का दावा करने के बाद अमेरिका पिछले तीन दशकों से अपने अधिकाधिक सैनिक युद्ध में भेज रहा है। टफ्ट्स यूनिवर्सिटी का सामरिक अध्ययन केंद्र अमेरिकी सैन्य अभियानों के बारे में कहता है, अमेरिका ने 1776 के बाद से 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभियान किए, जिनमें से करीब 60 प्रतिशत 1950 से 2017 के बीच किए गए हैं। इनमें से भी एक तिहाई से अधिक कार्रवाइयां 1999 के बाद की गई हैंह्ल इसमें आगे लिखा गया है, ह्यहम यह मान रहे थे कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद चुनौतियों में कमी को देखते हुए अमेरिका ने विदेशों में अपने सैन्य अभियान कम किए होंगे। मगर असलियत में उसने अपनी सैन्य कार्रवाइयां बढ़ाई हैंह्ल

पिछडे.पखवाड़े अपने टीवी शो में बिल मेहर, जो जागरूकता और ह्यसामाजिक न्यायह्ल के शोर के बीच एक प्रामाणिक उदार आवाज हैं, टॉम क्रूज की फिल्म टॉप गन : मैवरिक के बारे में बात कर रहे थे। यह फिल्म इस साल हॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। मेहर ने इसे ह्यरक्षा ठेकेदारों, सैन्यवादी कट्टर राष्ट्रवाद और बम बरसाने वाले विदेशियों के लिए दो घंटे का प्रचार अभियानह्ल कहा है। उन्होंने इसके लिए फिल्म समीक्षकों की भी चुटकी ली। उन्होंने कहा, ह्यरिलीज होने वाली हर दूसरी फिल्म, जो उदारवादियों के लिए उत्साही उदार इरादों के साथ उदारवादियों द्वारा बनाई जाती है, उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती। अगर यह फिल्म गरीबी के बारे में है, तो निर्देशक इसमें इतनी गरीबी नहीं ला सके कि वह समझी जा सके। अगर यह फिल्म समलैंगिकता पर है, तो इसमें वह भी अधिक नहीं है। रंगभेद, नस्लवाद, श्वेत श्रेष्ठतावाद की चर्चा भी प्रासंगिक है। फिर भी, 96 फीसदी फिल्म समीक्षकों ने टॉप गन को ठीक उसी तरह पसंद किया, जैसे एक कैथोलिक पादरी ह्यस्लिप-अवे कैंपह्ल को पसंद करता है, जिसमें बच्चे गरमी में रात भर कैंप में रुकते हैंह्ल

वह कहते हैं, ह्ययदि आप एक फिल्म समीक्षक हैं और सिनेमा में अनुदारतावाद को जड़ से उखाड़ फेंकने को अपने जीवन का मकसद मानते हैं, तो क्या आपने यह ध्यान नहीं दिया कि टॉप गन काफी कुछ युद्धोत्तेजक माहौल बनाने को लेकर है? अगर अमेरिकी फौज को एक देश मान लें, तो इसमें जितने ईंधन का इस्तेमाल किया गया है, वह इसे दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों को 47वां सबसे बड़ा उत्सर्जक बना देगा। सवाल यह भी है कि इसमें दुश्मन कौन है, जिससे टॉम क्रूज लड़ रहे हैं? ह्यहम न उसका नाम लेते हैं, न उसके चेहरे को देखते हैं और न उसको बातें करते सुनते हैं। तब आखिर वह है कौन? शायद यह निर्देशक के लिए मायने नहीं रखताह्ल। मेहर की मानें, तो ह्यहम नहीं जानते कि किस पर बमबारी कर रहे हैं और हमें इसकी परवाह भी नहीं है। हे ईश्वर, अमेरिका की रक्षा करना। अभी जिस तरह से यूक्रेन की अंतहीन जंग जारी है, खुशी मात्र अमेरिकी सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र को है। इस युद्ध में एक लाख से अधिक इंसानों की जान गई है, लाखों बेघर हुए हैं, पश्चिम में महंगाई आसमान छू रही है, सर्दियों में रूसी गैस की जरूरत को देखते हुए तमाम तरह की आशंकाएं पसरी हुई हैं, दुनिया भर के लोग भोजन और अन्य जरूरी सामानों की आपूर्ति को लेकर गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मगर हथियार बनाने वाले लोग अपनी तिजोरी देखकर अट्टहास कर रहे हैं।

साफ है। अमेरिका एक साम्राज्यवादी ताकत है और मानव इतिहास साम्राज्यवादी कहानियों से भरा पड़ा है। मगर क्या अमेरिका इस मायने में अलग है कि अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए वह पूरी दुनिया में लड़ता रहेगा? ब्रिटेन भी अपनी सत्ता बचाने के लिए हर वक्त जंग में शामिल नहीं रहा। इसलिए लगता यही है कि अमेरिका अपनी ताकत के मद में धुत होकर आगे बढ़ रहा है, जिसके लिए वह सुदूर देशों में भी लगातार दखल दे रहा है। वह यूक्रेन में सैनिकों को भेजकर अपने देशवासियों की जान जोखिम में नहीं डालेगा, लेकिन वह किसी न किसी तरह से इस युद्ध को जारी रखेगा, क्योंकि इससे वह कमाई करता है। यहां पर यह समझने की भूल न करें कि ये पैसे आम अमेरिकियों के हाथों में आएंगे। कतई नहीं। इससे सिर्फ वे कंपनियां और लोग ही मालामाल होंगे, जो पिछले साल अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से एक नए युद्ध की कामना कर रहे थे।

आजम खां पर सपा का दोनों सदनों में हंगामा, सरकार बोली- कानून से ऊपर कोई नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने दोनों सदनों विधान सभा और विधान परिषद में आजम खां के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। प्रश्नकाल शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने आजम पर फर्जी मुकदमे लगाने और उनके परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया और वेल में आ गए। इस कारण सदन को स्थगित भी करना पड़ा। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को विधान सभा में सरकार पर पूर्व मंत्री और रामपुर के विधायक मोहम्मद आजम खां के विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण तरीके से कार्रवाई करने और उन्हें बेवजह प्रताड़ित करने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर काम रोक कर चर्चा कराने की मांग की। तथ्यों के आधार पर सपा के आरोपों का पुरजोर तरीके से खंडन करते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। कानून सबके लिए बराबर है। आजम के खिलाफ दर्ज मुकदमों की विवेचना में दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। सपा के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि सरकार ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से आजम खां पर मुकदमे थोपे। कोरोना काल में उन्हें सीतापुर जेल में काल कोठरी में रखा गया। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद सरकार उन्हें परेशान करने के लिए रोज नए हथकंडे अपना रही है। कभी किताब चोरी, कभी सफाई मशीन चोरी तो कभी गवाहों को धमकाने के आरोप लगाकर उनकी जमानत खारिज करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'दुर्बल को न सताइये...।'

सपा के ओमप्रकाश सिंह ने सरकार पर आजम के खिलाफ बदले की

भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि धर्म-मजहब के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आजम को संरक्षण देने के लिए विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना से गुहार लगाई।जवाब में संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि आजम के खिलाफ दर्ज मुकदमों के गवाहों ने ही दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराकर यह कहा है कि उन्हें गवाही देने से धमकाया जा रहा है। दोनों गवाह भी उसी समुदाय के हैं जिसके आजम हैं। इसलिए मजहबी आधार पर भेदभाव का सवाल नहीं उठता है।खन्ना ने कहा कि जुए के मामले में पकड़े गए दो लोगों की निशानदेही पर जौहर विश्वविद्यालय में जमीन में गड़ी सफाई मशीन बरामद की गई जिसे रामपर नगर पालिका परिषद ने सपा शासनकाल में खरीदा था। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि लेकिन नगर पालिका ने तो कहा है कि मशीनें उसकी हैं नहीं? और फिर जब पिछले पांच वर्षों से जौहर विवि सरकार की निगरानी में है तो वहां मशीन कैसे आ सकती हैं. इस पर खन्ना ने कहा कि यह भी देखिए कि नगर पालिका अध्यक्ष कौन है? जवाब में अखिलेश बोले कि तब तो यह भी देखना चाहिए कि सरकार में कौन है।खन्ना यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि आजम पर 34 एकड़ शुत्र संपत्ति, 14.56 एकड़ रिवर लैंड, 30.38 एकड़ सैंड लैंड और चक रोड की जमीन समेत कुल 32 हेक्टेयर जमीन नाजायज तरीके से कब्जा करने के मुकदमे भी दर्ज हैं।

यूपी पुलिस ने मजबूत पैरवी कर ढहाया मुख्तार

अंसारी के आतंक का किला, अब 19 मामलों में कसी कमर

लखनऊ। चार दशक से आतंक का पर्याय रहे माफिया मुख्तार अंसारी के विरुद्ध प्रभावी पैरवी कर पुलिस ने पहली बार उसे कोर्ट में मात दी है। लखनऊ के आलमबाग थाने में वर्ष 2003 में जेलर को धमकाने के जिस मुकदमे में मुख्तार अंसारी को विशेष कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया था, उसे सरकार ने 27 अप्रैल, 2021 को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसे यूपी पुलिस व अभियोजन विभाग अपनी बड़ी कामयाबी के रूप में देख रहा है।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि मुख्तार अंसारी के कोर्ट में विचाराधीन अन्य 19 मुकदमों की पैरवी और तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। जीरो टालरेंस के विरुद्ध माफिया के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराई जा रही है।इंटर स्टेट गैंग 191 के सरगना मुख्तार अंसारी के विरुद्ध हत्या, अपहरण, रासुका, गैंगेस्टर एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे हैं। 25 अक्टूबर, 2005 से जेल में निरुद्ध मुख्तार अंसारी के विरुद्ध कई मामलों में गवाह मुकर गए अथवा कोर्ट तक ही नहीं पहुंचे। अपने रसूख के बलबूते पंजाब की जेल जा पहुंचे मुख्तार को वापस लाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े निर्देश दिए थे। शासन ने सुप्रीम कोर्ट तक पैरवी की थी, जिसके बाद मुख्तार को अप्रैल, 2021 को वापस यूपी लाया गया था

ताकत बढ़ाने में जुटी भाजपा, मुसलमानों के लिए बनेगी विकल्प, जीतेगी भरोसा, अपना रही ये नीति

बरेली: नये चुनाव से पहले भाजपा मुस्लिम बहुल बूथों पर ताकत बढ़ाने में जुटी है। उनका भरोसा जीतने की जिम्मेदारी अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों को सौंपी गई है। वे ऐसे बूथों पर जाकर मुस्लिमों से संवाद करेंगे, सरकारी योजनाओं के लाभ गिनाकर सरकार के करीब लाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए अल्पसंख्यक मोर्चा ने प्रदेशों में प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिए हैं।इससे दो लक्ष्य साधने की जुगत है।पहला यह कि मुस्लिमों के लिए सिर्फ कांग्रेस, सपा या बसपा ही नहीं, भाजपा भी विकल्प है। दूसरा- बहुसंख्यकों का मजबूती से साथ मिल रहा, इसमें अल्पसंख्यक भी जुड़ जाएं। जिन प्रदेशों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उन पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा।

जम्मू-कश्मीर में पांच सितंबर, इसके बाद हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षण सत्र हो चुका है। श्रीनगर के प्रशिक्षण सत्र में बतौर अतिथि शामिल होने वाले अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजमल जैदी बताते हैं कि भाजपा के प्रति मुस्लिमों की सोच में बड़ा बदलाव हुआ। जम्मू, हिमाचल और बिहार के प्रवास में देखा कि अब मुस्लिम कार्यकर्ता संकोच नहीं करते। वे आत्मविश्वास के साथ सरकार की योजनाओं की जानकारी मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पहुंचा रहे। उत्तर प्रदेश में भी इस तरह का प्रशिक्षण हो चुका है।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

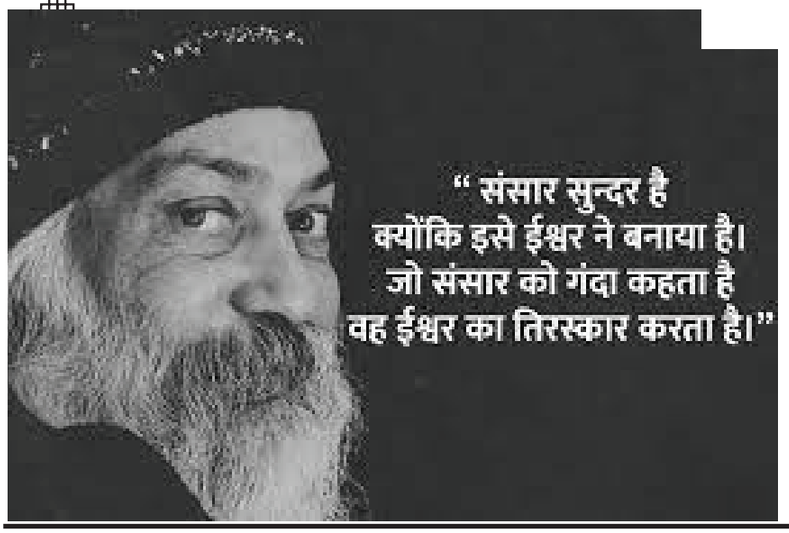

संध्यान का अर्थ है, सुबह। रात गई, दिन अभी आया नहीं। वह जो मध्यकाल है संध्या या--सांझ। सूरज जा चूका, रात अभी आई नहीं वह भी संध्या है। ध्यान, संध्या की अवस्था है। इसलिए हिंदुओं ने ध्यान का नाम ही संध्या रख लिया। ठीक किया। वह प्रतीक बिलकुल सही है। ध्यान की अवस्था में प्रकाश तो हो जाता है, लेकिन प्रभु का दर्शन नहीं होता। सूरज अभी निकला नहीं है। कबीर कहते हैं बिरह सतावै मोहि को, जिव तड़फे मेरा। तुम देखने की चाव है, प्रभु मिला सबेरा।।सुबह हो गई। अब तो दिखाई पड़ जाओ।नैना तरसै दरस को, पल पलक न लागे।दर्दबंद दीदार का, निसि बास जागे।।अब आंखों में बस एक ही तड़फ, एक ही तरस है--नैना तरसै दरस को। तुम्हारे दर्शन हो जाएं। तुम दिखाई पड़ जाओ। जन्मों-जन्मों से भूखी आंखें तृप्त हो जाएं। ये जन्मों-जन्मों से तड़फीं आंखें तुम से भर जाए। तुम्हें समा लें अपने भीतर। **जारी...**

घर पर तैयार करें आयुर्वेदिक हर्बल ऑयल, रेगुलर मसाज से बढ़ेगी बालों की खूबसूरती

आधुनिक समय में बालों का झड़ना काफी आम हो चुका है। खासतौर पर बढ़ते प्रदूषण और गलत खानपान की वजह से लोग झड़ते-बेजान बालों से परेशान हैं। अगर आप भी अपने झड़ते और बेजान बालों की समस्या से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नियमित रूप से बालों की ऑयलिंग करें। बालों की ऑयलिंग करने से आपके स्कैल्प और बालों को भरपूर पोषण मिलता है, जिससे बालों की मजबूती बढ़ती है। साथ ही आपके बाल काफी मोटे और घने हो सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे आयुर्वेदिक ऑयल बनाने की विधि बताएंगे,

जिससे आपके बालों की मजबूती बढ़ेगी। साथ ही इन ऑयल से बालों की सभी परेशानियों को भी कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं बालों के लिए घर पर आयुर्वेदिक ऑयल बनाने की विधि क्या है ?आंवला तेल तैयार करने के लिए 500 मिली आंवला का रस और 500 मिली तिल का तेल लें। इसके बाद इन दोनों को मिक्स करके एक लोहे की कढ़ाई में गर्म करें। जब तेल अच्छे से गर्म होकर आधा रह जाए तो इसे ठंडा करके बोतल में भर लें। अब इस तेल का इस्तेमाल आप नियमित रूप से करें। इससे काफी लाभ मिलेगा। भृंगराज ऑयल तैयार करने के लिए 2 लीटर भृंगराज स्वरस लें।

इसें आधा लीटर ब्राह्मी स्वरस, आधा लीटर आंवला का रस, 1 लीटर तिल का तेल मिक्स कर लें। इसेक बाद इसे एक कहाड़ी में डालकर उबाल लें। जब तेल आधा रह जाए तो इसे ठंडा करके एक बोतल में भरकर रख लें। इससे आपके बालों की खूबसूरती बढ़ेगी। घर पर आप आसान तरीकों से ब्राह्मी तेल का तैयार कर सकते हैं।

इस तेल को तैयार करने के लिए 1 लीटर आंवला का रस लें। इसमें 1 लीटर तिल का तेल और ब्राह्मी की कुछ पत्तियां डालकर इसे लोहे की कड़ाही में अच्छे से उबाल लें। जब तेल आधा रह जाए तो इसे छानकर एक बोतल में भर लें।

घर पर आसान तरीकों से आप इन आयुर्वेदिक तेल को तैयार कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपके बाल काफी ज्यादा झड़ रहे हैं तो एक्सपर्ट की सलाह पर ही इन तेलों का बालों में इस्तेमाल करें।

तनुश्री दत्ता का खुलासा, Me Too आंदोलन के बाद कई बार किया गया जान से मारने

फिल्म एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने खुलासा किया है कि मी टू आंदोलन के बाद कई बार उन्हें जान से मारने का प्रयास किया गया है' इतना ही नहीं एक बार उन्हें घर पर ही जहर देने का प्रयास किया जा चुका है' तनुश्री दत्ता ने यह सभी बातें अपनी हालिया इंटरव्यू में कही है' तनुश्री दत्ता ने मी टू आंदोलन के दौरान 4 वर्ष पहले अपनी आपबीती सुनाई थी' अब तनुश्री दत्ता ने यह खुलासा एक नए इंटरव्यू में किया है' इसके

पहले उन्होंने कहा था कि अगर उनकी जान को कुछ हो जाता है तो इसके लिए फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर उनकी लीगल टीम और उनके बॉलीवुड के माफिया दोस्त जिम्मेदार होंगे' इस बात की शुरूआत तब हुई थी, जब तनुश्री दत्ता ने फिल्म हॉर्न ओके प्लीज की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर पर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया था' हालांकि नाना पाटेकर ने इस बात का खंडन किया था' अब तनुश्री दत्ता ने एक इंटरव्यू में कहा है कि कई बार उनकी गाड़ी के ब्रेक से छेड़छाड़ की गई थी' वह कहती है, ह्यमेरी गाड़ी का बहुत बुरा एक्सीडेंट हुआ था' वहीं मेरी हड्डियां टूटते-टूटते बची थी' मेरा काफी खून बह गया था' इसके चलते मुझे लंबे समय तक बेड रेस्ट करना पड़ा था' तनुश्री दत्ता को नौकरानी पानी में मिलाकर कुछ पिला देती थी तनुश्री दत्ता आगे कहती है, मेरे घर में एक नौकरानी रखी गई थी जो मुझे पानी में मिलाकर कुछ पिला देती थी' जिससे मेरी तबियत बिगड़ने लगी थी' तनुश्री दत्ता 2020 में भारत वापिस आ गई थी और फिल्मों में काम करना चाहती थी' हालांकि एक्ट्रेस का दावा है कि कोई भी उनके साथ काम करने के लिए तैयार नहीं हुआ.

17 साल बाद इंग्लैंड की टीम आई पाकिस्तान, PCB को फिर भी होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। पाकिस्तान का दौरा इंग्लैंड की टीम ने 17 साल के लंबे अंतराल के बाद किया है। इस ऐतिहासिक दौरे से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कमाई होनी चाहिए थी, लेकिन इंग्लैंड इस दौरे से पीसीबी को नुकसान होने वाला है। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच सात मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है और इस सीरीज में जो सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं, उसकी लागत के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को 4.4 मिलियन पाउंड (करीब 40 करोड़ रुपये) का भारी भरकम भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि इस सीरीज के लिए इंग्लिश टीम को राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा दी गई है।

मिरर की रिपोर्ट की मानें तो यह एक वित्तीय नुकसान है, जिसे पीसीबी वहन करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि दोनों देश इसी साल टेस्ट सीरीज भी खेलेंगे। 2009 में लाहौर में आतंकवादियों द्वारा श्रीलंका की टीम बस पर किए गए हमले के बाद पाकिस्तान में एक दशक तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला गया था और उनके घरेलू मैच ज्यादातर संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में आयोजित किए गए थे। हालांकि, अब कई देश पाकिस्तान का दौरा कर चुके हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम भी पाकिस्तान में हाल ही में टेस्ट सीरीज खेलने गई हुई थी।

इस 7 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड की टीम अब 1-0 से आगे है, क्योंकि पहले मैच में इंग्लिश टीम ने मेजबान पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था, जिसमें लंबे समय के बाद वापसी करने वाले ओपनर एलेक्स हेल्स ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। आज यानी गुरुवार 22 सितंबर को दोनों देशों के बीच एक बार फिर से मुकाबला होगा।

इंडिया ए की आसान जीत, गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाजी में इन्होंने दिखाया जलवा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ए टीम इस समय भारत के दौरे पर है। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच इस समय तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज खेली जा रही है। इसी सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान इंडिया ए को आसान जीत मिली है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम ने न्यूजीलैंड ए को 7 विकेट से हरा दिया, जिसमें शार्दुल ठाकुर ने गेंदबाजी में जलवा बिखेरा, जबकि बल्लेबाजी में रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और संजू सैमसन ने हाथ दिखाए।

इस मैच में इंडिया ए के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में न्यूजीलैंड ए पहले बल्लेबाजी करने उतरी, लेकिन टीम 40.2 ओवर में 167 रन बनाकर ढेर हो गई। माइकल रिपोन ने 61 रन की पारी खेली, जबकि 36 रन जो वॉकर ने बनाए। 22 रन कप्तान रोबर्ट ओडोनेल ने बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 10 से ज्यादा रन नहीं बना सका। यही कारण रहा कि टीम जल्दी ऑल आउट हो गई। भारत के लिए शार्दुल ठाकुर ने 4 विकेट चटकाए, जबकि 3 विकेट कुलदीप सेन ने चटकाए। 1 विकेट कुलदीप यादव को मिला। वहीं, इंडिया ए ने 168 रन का लक्ष्य 31.5 ओवर में हासिल कर लिया। रुतुराज गायकवाड़ ने 54 गेंदों में 41 रन बनाए, जबकि रजत पाटीदार ने 41 गेंदों में 45 रन बनाए। कप्तान संजू सैमसन 29 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि राहुल त्रिपाठी के बल्ले से 31 रन निकले। 17 रन पृथ्वी शॉ ने 17 रन बनाए।

18 अक्टूबर को होगी बीसीसीआइ की एजीएम 5 पदों के लिए उसी दिन होंगे चुनाव

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की 91वें एनुअल जेनरल मीटिंग का आयोजन 18 अक्टूबर को किया जाएगा और इसी दिन पांच पदों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। आइसीसी में भारत का प्रतिनिधि कौन होगा ये भी उसी दिन तय किया जाएगा। बीसीसीआइ के 91वें बैठक का आयोजन इस बार मुंबई में किया जाएगा। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 सितंबर 2022 को दिए अपने आदेश में बीसीसीआइ को अपने संविधान में संशोधन करने की मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद बीसीसीआइ के किसी भी सदस्य के लिए लगातार दो कार्यकाल तक अपने पद पर बने रहना संभव होगा। यही वजह है कि सौरव गांगुली बीसीसीआइ अध्यक्ष और जय शाह बीसीसीआइ सचिव के पद पर अगले तीन साल तक बने रह सकते हैं। कोर्ट के इस फैसले के पहले बीसीसीआइ या राज्य क्रिकेट बोर्ड में पद पर रहने वाले कोई भी व्यक्ति अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद दोबारा किसी पद पर तब तक नहीं बैठ सकता, जब तक कि वह तीन साल का ब्रेक नहीं ले ले।

अगले साल अपने पुराने रूप में लौटेगा IPL, बीसीसीआई चीफ सौरव गांगुली ने किया ऐलान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के सीजन से कोविड-19 से पहले के अपने मूल प्रारूप में वापसी करेगा, जिसमें टीमें अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलती थीं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस बारे में बोर्ड से मान्यता प्राप्त इकाइयों को सूचित करा दिया है। साल 2020 में कोविड-19 महामारी फैलने के कारण आईपीएल कुछ स्थानों पर ही आयोजित किया गया। वर्ष 2020 में इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के तीन स्थानों दुबई, शारजाह और अबुधाबी में खाली स्टेडियमों में किया गया था।

साल 2021 में इस टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन चार स्थानों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में किया गया। लेकिन अब महामारी कंट्रोल में है और इसलिए यह लीग घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान के पुराने फॉर्मेट में खेली जाएगी। गांगुली ने राज्य इकाइयों को भेजे गए संदेश में कहा, ह्यआईपीएल को अगले साल से घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलने के फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। सभी 10 टीमें अपने घरेलू मैच अपने या स्थल पर खेलेंगी। बीसीसीआई 2020 के बाद पहली बार अपना पूर्ण घरेलू सीजन का आयोजन कर रहा है जिसमें टीमें घरेलू और विरोधी टीम के मैदान के पुराने फॉर्मेट में खेल रही हैं। बीसीसीआई इसके अलावा अगले साल के शुरू में बहु प्रतीक्षित महिला आईपीएल का आयोजन करने की भी योजना बना रहा है। पीटीआई ने पिछले महीने रिपोर्ट दी थी कि महिला आईपीएल का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप के बाद मार्च में किया जा सकता है। गांगुली ने 20 सितंबर को भेजे गए संदेश में कहा, ह्यबीसीसीआई अभी बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल के आयोजन पर काम कर रहा है। इसका पहला सीजन अगले साल के शुरू में आयोजित किया जा सकता है।

महाराष्ट्र एटीएस ने पीएफआइ के 20 कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र के आतंदवाद निरोधी दस्ते ने वीरवार को पापुलर फ्रंट आफ इंडिया के 20 कार्यकताओं को गिरफ्तार किया है। पीएफआइ के पांच गिरफ्तार सदस्यों को एटीएस की टीम मुंबई के सत्र अदालत में लाया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठक्अ) के नेतृत्व में देश के 11 राज्यों में 106 पीएफआइ कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया।

समाचार एजेंसी प्रेट्र के मुताबिक, महाराष्ट्र में वीरवार को एटीएस की टीमों ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, औरंगाबाद, पुणे, कोल्हापुर, बीड, परभणी, नांदेड़, मालेगांव (नासिक जिले में) और जलगांव में छापेमारी कर विभिन्न स्थानों से 20 लोगों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। एटीएस अधिकारी इन मामलों के संबंध में कई लोगों से पूछताछ भी की। गौरतलब है कि ढत्क्क का गठन 2006 में केरल में हुआ था और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया इस्लामिक संगठन है। ये संगठन अपने को पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के हक में आवाज उठाने वाला बताता है। संगठन की स्थापना 2006 में नेशनल डेवलपमेंट फ्रंट के उत्तराधिकारी के रूप में हुई। संगठन की जड़े केरल के कालीकट में गहरी हैं। इसका मुख्यालय दिल्ली के शाहीन बाग में है। शाहीन बाग वो इलाका है, जहां पर सीएए और एनआरसी के विरोध में पूरे देश में 100 दिन तक सबसे लंबा आंदोलन चला था।

संगठन 2006 में उस समय सुर्खियों में आया था, जब दिल्ली के रामलीला मैदान में इनकी तरफ से नेशनल पालिटिकल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। तब लोगों की एक बड़ी संख्या ने इस कांफ्रेंस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस संगठन की जड़े देश के 24 राज्यों में फैली हुई है। कहीं पर इसके सदस्य अधिक सक्रिय हैं तो कहीं पर कम। मगर मुस्लिम बहुल इलाकों में इनकी जड़े काफी गहरी है इससे इनकार नहीं किया जा रहा है। संगठन खुद को न्याय, स्वतंत्रता और सुरक्षा का पैरोकार बताता है और मुस्लिमों के अलावा देश भर के दलितों, आदिवासियों पर होने वाले अत्याचार के लिए समय समय पर मोर्चा खोलता है। पीएफआइ को स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेट आफ इंडिया यानी सिमी की बी विंग कहा जाता है। साल 1977 में संगठित की गई सिमी को 2006 में प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद माना जाता है कि मुसलमानों, आदिवासियों और दलितों का अधिकार दिलाने के नाम पर इस संगठन का निर्माण किया गया। ऐसा इसलिए माना जाता है कि पीएफआइ की कार्यप्रणाली सिमी जैसी ही थी। साल 2012 में भी इस संगठन को बैन करने की मांग उठ चुकी है।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For
Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net